रा० प्रा० 96/11 मूल स्टे / समरी कवर

ख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्य जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
12.14	वकुलाम उपस्थित। जवाब दरा० एवं बहस दरा० का समय चाहते हैं जो दिया जाता है पत्रावली आगामी दिनांक 6/1/15 को पेश हो। SDO	
06/1/15	पत्रावली पेश हुई आज S.D.O. साहब दौरे पर, विभिन्न कार्यों में व्यस्त रहने के कारण स्थगित रखने से पत्रावली आगामी दिनांक 12-02-2015 को पेश हो।	
12/02/15	पत्रावली पेश हुई आज S.D.O. साहब दौरे पर, विभिन्न कार्यों में व्यस्त रहने के कारण स्थगित रखने से पत्रावली आगामी दिनांक 19-02-15 को पेश हो।	
19/3/15	वकुलाम उपस्थित। जवाब एवं बहस का समय चाहते हैं, समय दिया जाता है पत्रावली आगामी दिनांक 07-04-15 को पेश हो। SDO	
07/04/15	वकुलाम उपस्थित। मूल वाद प्रमाण में वकील प्रति० (गै०सा०) का दिनांक 03-09-2012 को प्रस्तुत प्रा०प० 07 R 11 (d) CPC तथा 151 CPC का जवाब प्रा०प० पेश करने का, दिनांक 01-11-2013 को लगातार अनेकानेक अवसर दिये जाने पर भी जवाब प्रा०प० पेश करने में विफल रहने से आज जवाब प्रा०प० बन्द किया गया। बहस वकुलाम 07 R 11 (d) 151 CPC पुनः गवाही पत्रावली वापस छोड़ी। आगामी दिनांक 13-04-2015 को पेश हो। SDO	
13/04/15	वकुलाम उपस्थित। पत्रावली का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया गया। प्रस्तुत प्रा०प० 07 R 11 (d) CPC तथा 151 CPC का गहनतापूर्वक अध्ययन किया गया। बहस वकुलाम एवं न्यायिक दृष्टान्त पर भी गौर कर मनन किया गया। वस्तुतः दि० 15-02-04 का कंसेंट डिक्री तथा 03-03-2011 का अंतरिम निषेधाज्ञा के आधार पर अन्त वाद इस न्यायालय में गलत कारण गलत रूप से पेश किया है, क्यों कि इस वाद सुनने का क्षेत्राधिकार सिविल न्यायालय को है। अतः दि० 03-09-12 को प्रस्तुत आ० 07 R 11 (d) CPC खारिज किया जाता है, फलस्वरूप वाद न्यायालय शुल्क वाद खारिज किया जाता है। नहीं होने से अन्त मूल वाद खारिज हो जाने से यह प्रा०प० भी अन्त मूल वाद खारिज हो जाने से, पत्रावली फैसल शुमार होकर खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर नस्ती हुआ वाद तबदील जाब्ता दीवानी व नस्ती हुआ। प्रकरण अभाव में फलस्वरूप आ० 151 CPC दि० 27-11 का निरस्त किया जाता है। SDO

Scanned by CamScanner